अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

पुराने नियम में, जब-जब इस्राएलियों ने परमेश्वर के लिए वेदी बनाई, तो उन्हें वह ऊँचे स्थान पर बनाने का आदेश दिया गया। यह परमेश्वर की आराधना की व्यवस्था का हिस्सा था:

निर्गमन 20:24
“तुम मेरे लिए पृथ्वी की वेदी बनाओ, और उस पर अपने जले हुए बलिदान चढ़ाओ… जिस भी जगह मैं अपना नाम लिखता हूँ, मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें आशीर्वाद दूँगा।”

“वेदी” शब्द का अर्थ है “ऊँचा स्थान” या “ऊपर उठाना।” इसलिए इसे ऊँचे स्थान पर बनाना केवल प्रतीकात्मक नहीं था – यह भविष्यवाणी थी। परमेश्वर अपने लोगों को सिखा रहे थे कि आराधना और बलिदान उन्हें ऊपर की ओर, अर्थात् सांसारिक से स्वर्गीय स्तर पर उठाना होगा।

आगे चलकर, अन्य जातियाँ इस सिद्धांत की नकल कर वेदी और मूर्तिपूजा स्थल ऊँचे स्थानों पर बनाने लगीं, पर वे सच्चे परमेश्वर की बजाय मूर्तिपूजा और जादू-टोने में लिप्त थीं। इसी कारण राजा काल में परमेश्वर बार-बार इस्राएल को ऐसे “ऊँचे स्थानों” को नष्ट न करने पर डाँटा:

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

2 राजा 17:10–12
“उन्होंने अपने लिए हर ऊँचे पहाड़ पर मूर्तिपूजा के खम्भे
और लकड़ी की मूर्तियाँ बनाईं… और धूप जलायी… और
मूर्तिपूजा की।”

शैतान एक नकलची है, निर्माता नहीं
शैतान कभी कुछ नया नहीं बनाता। वह परमेश्वर के द्वारा स्थापित चीज़ों की नकल करता है और उन्हें बिगाड़ता है। जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को पाप के प्रायश्चित के लिए बलिदान देने को कहा, तब शैतान ने मूर्तिपूजा और नकली वेदी प्रस्तुत कीं, ताकि भ्रम, भटकाव और विनाश हो।

वेदी और पुजारी के वस्त्र: भौतिक प्रतीक जिनका आध्यात्मिक अर्थ है

पुराने नियम में, परमेश्वर की वेदी के पास जाना आसान नहीं था। केवल पुजारी ही विशेष परिस्थितियों में वेदी के पास जा सकते थे। वे पवित्र वस्त्र पहनते थे जो पूरा शरीर ढकते थे।

निर्गमन 28:40–43
“…तुम उनके लिए ट्यूनिक बनाओ… महिमा और शोभा के लिए… और लिनन की पैंट बनाओ जो उनकी नग्नता को ढकें; ये कमर से जांघ
तक हों… ताकि वे पाप न करें और न मरें।”

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

वेदी ऊँची थी और सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती थीं, इसलिए लंबे वस्त्र से नीचे का हिस्सा छिपाना कठिन था। इसलिए परमेश्वर ने पुजारियों को लिनन की अंदरूनी वस्त्र पहनना आवश्यक किया। अगर उनकी नग्नता दिखती, तो वे परमेश्वर के सामने मर सकते थे।

निर्गमन 20:26
“और तुम मेरी वेदी तक सीढ़ियाँ न चढ़ो कि तुम्हारी नग्नता वहाँ प्रकट न हो।”

यह एक सशक्त संदेश था: जब हम परमेश्वर के सामने आते हैं, तो वह आंतरिक और बाहरी पवित्रता और सम्मान माँगता है।

आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है: नया नियम की पूर्ति

आज हम पशु बलिदान नहीं देते और न ही भौतिक मंदिर जाते हैं। हमारी वेदी स्वर्ग में है, और परिपूर्ण बलिदान – यीशु मसीह – पहले ही दे दिया गया है।

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

इब्रानियों 9:11–12
“पर मसीह उच्च पुरोहित बनकर… बकरियों और बछड़ों के खून से नहीं, बल्कि अपने ही खून से एक बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया और सदा के लिए मुक्ति पाई।”

जब हम प्रार्थना करते, आराधना करते या सेवा करते हैं, हम आध्यात्मिक रूप से स्वर्गीय वेदी के पास जाते हैं। जैसे पुराने नियम के पुजारी ठीक कपड़े पहनते थे, वैसे ही हमें भी “सही वस्त्र” पहनकर परमेश्वर के सामने आना चाहिए – आध्यात्मिक और भौतिक दोनों रूप से।

1. बाहरी वस्त्र: आपका सार्वजनिक साक्ष्य

बाहरी वस्त्र दर्शाते हैं कि आप दुनिया के सामने कैसे प्रस्तुत होते हैं। आपकी पोशाक और व्यवहार आपके परमेश्वर के प्रति सम्मान को दर्शाते हैं।

1 तीमुथियुस 2:9–10
“महिलाएँ भी अपनी सजावट को विनम्रता और शालीनता से रखें, जो
परम भक्ति के लिए उचित है।”

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

यदि आप, एक विश्वासी के रूप में, अत्यंत खुली या उत्तेजक पोशाक पहनते हैं, खासकर परमेश्वर के घर में, तो आप न केवल परमेश्वर का अपमान कर रहे हैं, बल्कि खुद को आध्यात्मिक खतरे में डाल रहे हैं।

जो पुरुष खुले पाप में चलते हैं – नशा, अनैतिकता, बेईमानी – और बिना पश्चाताप के परमेश्वर के सामने आते हैं, वे भी आध्यात्मिक रूप से नग्न हैं।

पतरस ने भी जब मछली पकड़ते समय आधा नंगे थे, तब उन्होंने जब जाना कि यीशु देख रहे हैं, तो अपने ऊपर वस्त्र ओढ़ा:

यूहन्ना 21:7
“सिमोन पतरस ने जब जाना कि वह प्रभु है, तो उसने अपना बाहरी वस्त्र ओढ़ लिया और समुद्र में कूद पड़ा।”

यदि पतरस जैसे पुरुष ने यीशु का सम्मान करते हुए खुद को ढक लिया, तो यह हमारे लिए आज क्या संदेश है, खासकर जब हम उसकी उपस्थिति में आते हैं?

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

2. आंतरिक वस्त्र: आपके हृदय की स्थिति

जैसे आपका बाहरी रूप महत्वपूर्ण है, वैसे ही आपके हृदय की स्थिति भी। आप बाहर से पवित्र दिख सकते हैं, लेकिन परमेश्वर आपके अंदर क्या देखता है?

मत्ती 23:27–28
“वे परेन्तु सफेद रंग से लिपे हुए मकबरे की भाँति हैं जो
बाहर से सुंदर लगते हैं, परन्तु अंदर से मृतकों की हड्डियों
और हर प्रकार की गंदगी से भरे होते हैं।”

आप चर्च में सेवा कर सकते हैं, गा सकते हैं, या प्रचार कर सकते हैं, परन्तु यदि आपके हृदय में कड़वाहट, जलन, वासना या अनादर है, तो आप परमेश्वर की दृष्टि में एक ऐसे पुजारी के समान हैं जो बाहर से सुंदर वस्त्र पहनता है लेकिन अंदर से नग्न है।

आप छिपकर अश्लीलता देखते हैं, व्यभिचार करते हैं, या दोहरी जिंदगी जीते हैं – यह आध्यात्मिक नग्नता है और बहुत खतरनाक है।

गलातियों 6:7

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

“मूढ़ न बनो; परमेश्वर का मज़ाक न उड़ाओ। जो कोई बोता है वही काटेगा।”

लौदीकीया की कलीसिया: हमारी पीढ़ी की एक तस्वीर

हम उस लौदीकीय समय में जी रहे हैं – जो प्रकाशित वचन में सात कलीसियाओं में अंतिम है। यह एक उदासीन पीढ़ी है, जो खुद को धनवान समझती है, पर वास्तव में वह गरीब, अंधी और नग्न है।

प्रकाशितवाक्य 3:17–18
“…तुम कहते हो, ‘मैं धनवान हूँ, और कुछ नहीं चाहता।’ परन्तु तुम नहीं जानते कि तुम दीन, दयनीय, गरीब, अंधे और नग्न हो।
मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम मुझसे सोना खरीदो, जो आग में परखा गया है, और सफेद वस्त्र, जिससे तुम पहन सको और अपनी नग्नता का लज्जा छिपा सको।”

यीशु हमें प्रेमपूर्वक चेतावनी दे रहे हैं। वे हमें सफेद वस्त्र (आध्यात्मिक शुद्धता और धर्म) पहनाने की पेशकश कर रहे हैं।

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

जो जीतेंगे उन्हें बड़ा पुरस्कार मिलेगा

यीशु लौदीकीय कलीसिया को अन्य सभी कलीसियाओं से बड़ा पुरस्कार देते हैं:

प्रकाशितवाक्य 3:21
“जो विजेता होगा, मैं उसे अपनी ओर से यह अधिकार दूंगा कि वह
मेरे सिंहासन के साथ बैठे, जैसे कि मैं भी विजेता होकर अपने पिता के सिंहासन के साथ बैठा हूँ।”

कल्पना करें! मसीह के सिंहासन पर बैठना और उनके साथ राज्य करना। कोई भी सांसारिक सुख इस अनंत पुरस्कार से तुलना नहीं कर सकता।

आपकी प्रतिक्रिया: पश्चाताप और आज्ञाकारिता

यदि आप अभी भी मसीह से बाहर या उदासीन हैं, तो यह वापस आने का समय है। सच्चे दिल से पश्चाताप करें और सुसमाचार का पालन करें:

प्रेरितों के काम 2:38

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

“पश्चाताप करो, और प्रत्येक तुम्हारे नाम पर यीशु मसीह की
नाम से बपतिस्मा लो, पापों के क्षमा के लिए; तब तुम पवित्र
आत्मा का वरदान प्राप्त करोगे।”

प्रभु यीशु शीघ्र आ रहे हैं। उन्होंने स्वयं कहा:

प्रकाशितवाक्य 22:12
“देखो, मैं शीघ्र आ रहा हूँ, और मेरा पुरस्कार मेरे साथ है।”

अंतिम प्रोत्साहन

आज की नैतिक उलझन और आध्यात्मिक अंधकार से धोखा मत खाना। ये दिन भविष्यवाणी किए गए थे। लेकिन यदि तुम दृढ़ रहो, पवित्र रहो और बाहरी शालीनता और आंतरिक धर्म के साथ चलो, तुम्हारा पुरस्कार महान होगा।

रोमियों 8:18
“मुझे ऐसा लगता है कि इस समय के दुख उन गौरव के सामने कुछ भी नहीं हैं, जो हम में प्रकट होने वाले हैं।”

अंदर और बाहर से ढका हुआ: परमेश्वर के सामने सच्ची पवित्रता

ईसा के लौटने पर तुम्हें अंदर और बाहर से पूरी तरह से ढका हुआ पाया जाए।

आशीषित रहो और विश्वास में स्थिर रहो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp